सच्चे मित्र

(कहानी)

10

एक *जंगल* था। उसमें एक *सरोवर* था। उसके किनारे चार *मित्र* रहते थे– हिरन, चूहा, कछुआ और कबूतर।

एक दिन कछुआ, चूहा और कबूतर ठीक समय पर *सरोवर* के किनारे पहुँच गए। परंतु हिरन वहाँ नहीं पहुँचा। जब बहुत देर हो गई, तो सबको हिरन की फिक्र होने लगी। कछुआ बोला– "जरूर कोई गड़बड़ है। हमें अपने मित्र को ढूँढना चाहिए।"

कबूतर बोला–" मैं उड़कर हिरन का पता लगाता हूँ।"

फिर कबूतर तेजी से उड़ गया। उसने जंगल में इधर-उधर देखा। तभी उसकी नजर हिरन पर पड़ी। वह उड़कर हिरन के पास पहुँचा। कबूतर को देखकर हिरन रोने लगा। कबूतर बोला- "मित्र, घबराओ नहीं। मैं अभी चूहे को बुलाकर लाता हूँ। वह अपने *पैने* दाँतों से जाल की *रस्सियाँ* कुतर देगा।"

कबूतर थोड़ी ही देर में चूहे और कछुए को वहाँ ले आया।

चूहे ने अपने तेज दाँतों से जाल को काट डाला। हिरन जाल से छूट गया। तभी वहाँ *शिकारी* आ गया।

वह हिरन के पीछे भागा, परंतु हिरन को नहीं पकड़ सका। चूहा दौड़कर *झाड़ियों* में छिप गया। कबूतर उड़कर पेड़ पर बैठ गया। पर कछुआ अपनी धीमी चाल से चलने लगा। उसे कहीं छिपने का मौका भी न मिला।

उसे शिकारी ने पकड़कर अपने थैले में डाल लिया। कछुए के पकड़े जाने से तीनों मित्र बहुत दुखी हुए। वे कछुए को बचाने की *तरकीब* सोचने लगे। हिरन ने अपनी तरकीब सबको बताई।

हिरन की तरकीब के अनुसार हिरन शिकारी के रास्ते में आँखे बंद करके लेट गया। *शिकारी* ने हिरन को देखा, तो उसने कछुए वाला थैला रख दिया और हिरन के पास आने लगा। बस फिर क्या था, चूहे ने जल्दी-जल्दी थैला काट दिया। कछुआ झट से बाहर निकला और *झाड़ियों* में घुस गया।

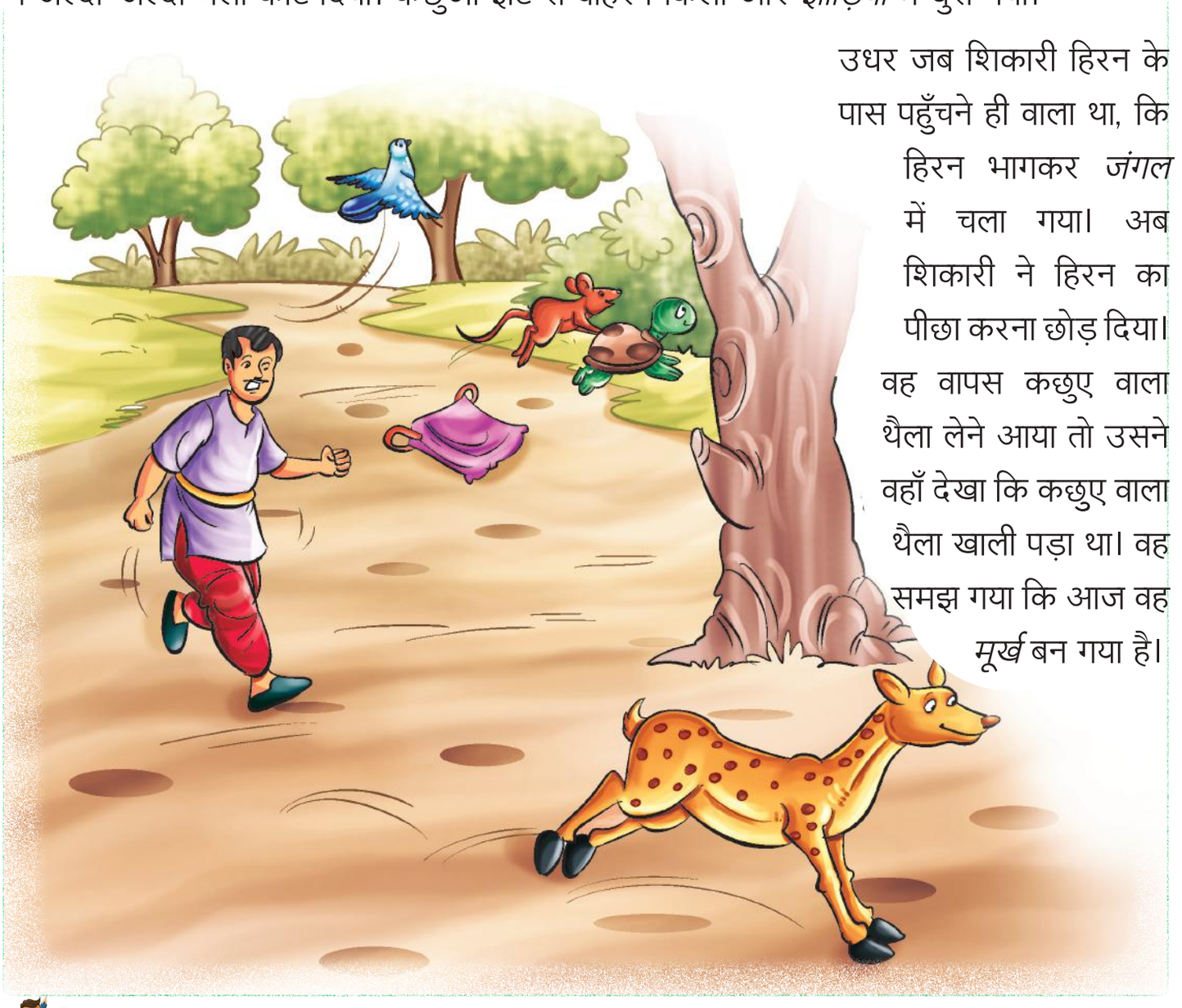

उधर जब शिकारी हिरन के पास पहुँचने ही वाला था, कि हिरन भागकर *जंगल* में चला गया। अब शिकारी ने हिरन का पीछा करना छोड़ दिया। वह वापस कछुए वाला थैला लेने आया तो उसने वहाँ देखा कि कछुए वाला थैला खाली पड़ा था। वह समझ गया कि आज वह *मूर्ख* बन गया है।

शब्द-अर्थ

जंगल — वन *(forest)*,
मित्र — दोस्त *(friend)*,
पैने — तेज *(sharp)*,
शिकारी — पशु-पक्षियों को मारनेवाला *(hunter)*,
तरकीब — योजना *(plan)*,
सरोवर — तालाब *(pond)*,
फिक्र — चिंता *(worry)*,
रस्सियाँ — डोरियाँ *(ropes)*,
झाड़ियाँ — जहाँ काँटेदार पौधे हों *(bushes)*,
मूर्ख — बेवकूफ *(fool)*।

अभ्यास

मौखिक

1. इन शब्दों को पढ़कर सुनाइए–

सरोवर	कछुआ	फ़िक्र	शिकारी	दाँतों	थैला
रस्सियाँ	झाड़ियों	रास्ते	आँख	तरकीब	मूर्ख

2. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) चार मित्र कौन-कौन थे?

(ख) चारों मित्र कहाँ रहते थे?

(ग) किसने उड़कर हिरन का पता लगाया?

(घ) हिरन का जाल किसने काटा?

लिखित

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) जंगल में एक ..... था।

☐ कछुआ ☐ सरोवर ☐ चूहा

(ख) सबको हिरन की ..... होने लगी।

☐ फिक्र ☐ खुशी ☐ परेशानी

(ग) अंत में शिकारी ..... बन गया था।

☐ बुद्धिमान ☐ समझदार ☐ मूर्ख

2. वाक्यों को पूरा कीजिए–

रोने, फिक्र, हिरन, कबूतर, जाल

(क) ..... उड़ गया।

(ख) उसकी नजर ..... पर पड़ी।

(ग) हिरन ..... से छूट गया।

(घ) कबूतर को देखकर हिरन ..... लगा।

(ङ) सबको हिरन की ..... होने लगी।

3. सही वाक्यों के सामने (✓) तथा गलत के सामने (✗) का निशान लगाइए–

(क) चूहा हिरन को ढूँढने गया। ☐

(ख) चूहे ने अपने पैने दाँतों से जाल काट दिया। ☐

(ग) कछुआ तेजी से चल नहीं पाया। ☐

(घ) कछुआ शिकारी के थैले से नहीं छूट सका। ☐

(ङ) हिरन शिकारी के सामने जान-बूझकर आँखे बंद करके लेट गया। ☐

4. निम्न वाक्यों को उनके एक शब्द से मिलाइए–

वाक्य	एक शब्द
(क) जो शिकार करता है	(i) अभिनेता
(ख) जो कविता लिखता है	(ii) सब्जीवाला
(ग) जो अभिनय करता है	(iii) शिकारी
(घ) जो शिक्षा देता है	(iv) कवि
(ङ) जो सब्जी बेचता है	(v) शिक्षक

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) हिरन अपने मित्रों के पास क्यों नहीं पहुँच सका?

(ख) हिरन जाल से कैसे छूटा?

(ग) शिकारी ने कछुए को कैसे पकड़ा?

(घ) हिरन ने कछुए को बचाने की क्या तरकीब सोची?

भाषा-ज्ञान

1. संज्ञा तीन प्रकार की होती है–

(क) जातिवाचक संज्ञा (ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा (ग) भाववाचक संज्ञा

इस पाठ में हम जातिवाचक संज्ञा के बारे में जानेंगे।

जातिवाचक संज्ञा

जिन संज्ञा शब्दों से किसी जाति या वर्ग के सभी प्राणियों या वस्तुओं के नाम का पता चले, उन्हें जातिवाचक संज्ञा कहते हैं।

जैसे- चूहा, कबूतर, शिकारी, कछुआ, हिरन, जाल आदि।

- **जातिवाचक संज्ञा शब्दों पर (✓) लगाइए–**

☑ पेड़	☐ ताजमहल	☐ मित्र	☐ रस्सी
☐ राम	☐ जंगल	☐ रामायण	☐ कछुआ
☐ लड़का	☐ दिल्ली	☐ पुस्तक	☐ चेन्नई

2. पढ़िए, समझिए और लिखिए–

'जंगल' इसमें (ं) अनुस्वार का प्रयोग है।

दाँत इसमें (ँ) अनुनासिक का प्रयोग है।

पाँच अनुस्वार और पाँच अनुनासिक वाले शब्द लिखिए।

अनुस्वार वाले शब्द (ं)	अनुनासिक वाले शब्द (ँ)
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

क्रियात्मक गतिविधि

- कष्ट में पड़े जीव-जंतु, पक्षी, मनुष्य कोई भी हो उसकी सदैव सहायता करनी चाहिए। एक बार छोटे-से चूहे ने जाल में फँसे शेर की सहायता की थी। इस कहानी को अपने शब्दों में लिखिए।